श्री

पञ्चमञ्जरिका।

अर्थात् पांच आख्यायिकाओं का संग्रह।
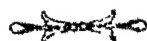
श्रीनिम्बार्कसम्प्रदायाचार्य-

श्रीछबीलेलालगोस्वामि-लिखित,

एवं तदीय-

श्रीसुदर्शनप्रेस, वृन्दावन से

छपकर प्रकाशित।

सन् १९१७ ईस्वी।

प्रथमबार १०००] * [मूल्य पांच आने।